Samveg Rangshala

Folder No.	022301
Granth Name	Samveg Rangshala
Author	Padmvijay
Publisher	NIrgranth Sahitya Prakashan Sangh
Edition	1
Year	1986
Pages	648

संवेग रंगशाला

फोल्डर नं.	०२२३०१
ग्रन्थ	संवेग रंगशाला
लेखक	पद्मविजय
प्रकाशक	निर्ग्रन्थ साहित्य प्रकाशन संघ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९८६
पृष्ठ	६४८

मुख्य टाइटल
प्रकाशकीय
प्रवेशक
संवेग की महा महीमा
विषयानुक्रमणिका
मंगलाचरण ---------- १
संसार अटवी में धर्म की दुर्लभता ---------- ४
धर्म के अधिकारी ---------- ५
संवेग की महिमा ---------- ६
ग्रन्थ की महिमा ---------- ७
ग्रन्थ का हेतु ---------- ९
महासेन राजा की कथा ---------- ९
प्रथम मूल परिक्रम द्वार ---------- ५४
प्रथम अर्ह द्वार ---------- ५५
दूसरा लिंग द्वार ---------- ७६
तीसरा शिक्षा द्वार और उसके भेद ---------- ८४
चौथा विनय द्वार ---------- १०१
पाँचवा समाधि द्वार ---------- १०६
छठा मन का अनुशस्ति द्वार ---------- ११२
सातवां अनियत विहार द्वार ---------- १२७
आठवाँ राजा के अनियत विहार की विधि द्वार ---------- १३६
नौवाँ परिणाम द्वार ---------- १५४
दसवाँ त्याग द्वार ---------- २१०
ग्यारहवाँ मरण विभक्ति द्वार ---------- २१३

बारहवाँ अधिगत मरण द्वार ---------- २२२
तेरहवाँ श्रेणी द्वार ---------- २३१
चौदहवाँ भावना द्वार ---------- २३७
पन्द्रहवाँ संलेखना द्वार ---------- २४६
द्वितीय परगण संक्रमण मूल द्वार ---------- २५८
प्रधम दिशा द्वार ---------- २५८
दूसरा क्षामणा द्वार ---------- २६३
तीसरा अनुशास्ति द्वार ---------- २६५
चौथा परागण संक्रमण विधि द्वार ---------- २८५
पाँचवा सुस्थित गवेषणा द्वार ---------- २८८
छठ्ठा उपसंपदा द्वारौ ---------- २९४
सातवाँ परीक्षा द्वार ---------- २९४
आठवाँ पडिलेहणा द्वार ---------- २९६
नौवा पृच्छा द्वार ---------- ३०१
दसवाँ प्रतीच्छा द्वार ---------- ३०२
तृतीय ममत्व विच्छेदन् मूल द्वार ---------- ३०३
प्रथम आलोचना विधान द्वार ---------- ३०३
द्वितीय शय्या द्वार ---------- ३२८
तीसरा संस्तारक द्वार ---------- ३३१
चौथा निर्यामक द्वार ---------- ३३६
पांचवा दर्शन द्वार ---------- ३३९
छठ्ठा हानि द्वार ---------- ३४०
सातवां पच्चक्खान द्वार ---------- ३४२
आठवां क्षमापना द्वार ---------- ३४४
नौवा स्वयं क्षमणा द्वार ---------- ३४५
चौथा समाधि लाभ द्वार ---------- ३४९
प्रथम अनुशासित द्वार ---------- ३५०